

I assured earlier itself that since there was no specific complaint, I am prepared to welcome the suggestion made by the honourable Member to write to this particular individual.

*108. [The questioner (Shri Suraj Prasad) was absent. For answer, vide cols. 31 infra]

*159. [The questioner (Shri Dharam Chand Jain) was absent. For answer, vide cols. 31-32 infra]

*160. [The questioner (Sardar Gurcharan Singh Tohra) was absent. For answer, vide cols. 32-34 infra]

*161. [The questioner (Shri S. G. Sardesai) was absent. For answer, vide cols. 34 infra]

ECONOMIC COOPERATION WITH CEYLON

*162. SHRI K. C. PANDA :
SHRI SUNDARMANI PATEL :
SHRI LOKANATH MISRA :†
SHRI CHANDRAMOULI
JAGARLAMUDI :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether discussions were recently held between Indian and Ceylon regarding economic cooperation between the two countries; if so, the details thereof; and

(b) whether the question of coordinating the Indo-Ceylonese tea exports was also discussed; if so, the decisions, if any, taken in this regard ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) and (b) Yes, Sir. The discussions which took place in New Delhi in April, 1972 *inter alia* covered matters relating to strengthening of economic relations, industrial collaboration, expansion of tourism etc. The discussions also covered matters relating to expansion of mutual trade, particularly in regard to import of specific commodities from Ceylon by India. Questions relating to cooperation in regard to tea exports did not figure in these discussions. But a two man Government Delegation which went to Colombo in March, 1972 discussed matters of mutual interest in the field of tea exports including possible collaboration.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Lokanath Mishra.

SHRI LOKANATH MISRA : The statement says that in the field of export of tea there could be some collaboration with the Ceylonese Government in public sector in Ceylon. Since there is a good deal of competition between Indian and Ceylon, so far as tea is concerned, could the Government come to some sort of a compromise with the Ceylonese Government, so far as world market is concerned, in regard to tea ?

SHRI L. N. MISHRA : As far as our approach is concerned, we have been discussing with the Government of Ceylon. As a matter of fact, in FAO also we have been discussing. FAO has been helping us in meeting the crisis of tea two years ago. It was of great help to us. When the Ceylonese Minister was here, I also discussed with him, and my other colleagues, Sardar Swaran Singh and Shri Subramaniam, the Planning Minister, also had long discussions with them, and we are told to send a delegation to Colombo. And in that some kind of an understanding can be brought about, I cannot say at this stage, but we know that we have got competition from Ceylon, but there are other African countries and other countries which are really competing with us.

दिल्ली और उदयपुर के बीच चलने वाली चेतक एक्सप्रेस

163. श्रीमती लक्ष्मी कुमारी चूंडावत :
क्या मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि दिल्ली तथा उदयपुर के बीच चलने वाली 'चेतक एक्सप्रेस' केवल अजमेर तक ही एक्सप्रेस रेलगाड़ी के रूप में चलती है और उसके बाद वह पैसेंजर गाड़ी में परिवर्तित हो जाती है;

(ख) क्या सरकार इसे यात्रियों का समय बचाने के लिये अन्तिम गन्तव्य स्थान तक एक्सप्रेस गाड़ी के रूप में चलाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हा, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

†[CHETAK EXPRESS RUNNING BETWEEN
DELHI AND UDAIPUR

*163. SHRIMATI LAKSHMI KUMARI CHUNDAWAT : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

†[] English translation

(a) whether Government are aware of the fact that the Chetak Express running between Delhi and Udaipur runs as an Express Train only upto Ajmer and thereafter it is converted into a Passenger Train,

(b) whether Government propose to run it as an Express Train upto destination to save time of the travelling public; and

(c) if so, the steps Government propose to take in this regard ?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD SHAFI QURESHI) : (a) Yes, Sir

(b) and (c) Additional terminal facilities at Chittaurgarh station and sectional capacity on Ajmer-Chittaurgarh section are being developed. On their completion, speeding up of Chetak Express on Ajmer-Chittaurgarh section by providing a compensatory stopping service will be considered.

[रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरैशी) : (क) जी हाँ ।

(ख) और (ग) चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर टर्मिनल सम्बन्धी अतिरिक्त सुविधाओं और अजमेर-चित्तौड़गढ़ खंड में खंडीय क्षमता का विकास किया जा रहा है । इनके पूरा हो जाने पर स्टेशन पर रुकने वाली प्रतिपूरक गाड़ी की व्यवस्था करके अजमेर-चित्तौड़गढ़ खण्ड पर चेतक एक्सप्रेस की रफ्तार बढ़ाने पर विचार किया जायेगा ।]

श्रीमती लक्ष्मी कुमारी चूडावत : यह गाड़ी उदयपुर से अजमेर तक विलकुल पैसेन्जर के रूप में जाती है इसलिये न तो टाइम की पाबन्द रहती है न वक्त पर पहुँचती है । तो आप उसे एक्सप्रेस के रूप में क्यों नहीं ले आते ताकि सवारी भी बढ़ सके, नहीं तो फायदा ही कुछ नहीं हो रहा है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी :

से चेतक एक्सप्रेस नक की गती बिसेसियन्जर ट्रेन अस लैज चलायी जाती है के बहुत अक्शियन्स पर अस गती को टैपुन पेटा है - तो लुगुन की सुविधा के लैज जिस से अन अक्शियन्स पर भी चैरने की फेसिलिटी मसफरुन को मले ये गती बिसेसियन्जर ट्रेन वहाँ से चालती है -

अगर हम असको भी वहाँ से चलायें तो जो सुविधाएँ लोगों को मिलती हैं, वह खत्म हो जायेगी इसलिये यह मुनासिब नहीं है कि इस लाइन पर भी एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाये ।]

[श्री मुहम्मद शफी कुरैशी : अजमेर से चित्तौड़गढ़ तक की गाड़ी पैसेन्जर ट्रेन इसलिये चलाई जाती है कि बहुत स्टेशनों पर इस गाड़ी को ठहरना पड़ता है । तो लोगों की सुविधा के लिये, जिससे इन स्टेशनों पर भी चढ़ने की फेसिलिटी मुसाफिरो को मिले, यह गाड़ी पैसेन्जर ट्रेन वहाँ से चलती है । अगर हम इसको भी वहाँ एक्सप्रेस ट्रेन के तरीके पर चलायें तो जो सुविधाएँ लोगों को मिलती हैं, वह खत्म हो जायेगी इसलिये यह मुनासिब नहीं है कि इस लाइन पर भी एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाये ।]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : हमारा सुझाव पहले आया था । चित्तौड़गढ़ से उदयपुर तक के छोटी पैसेन्जर शटल के रूप में इसलिये चलाई जाती है क्योंकि अजमेर से चित्तौड़गढ़ तक तीन चार गाड़ियाँ शटल के रूप में चलती हैं और एक एक्सप्रेस ट्रेन भी चलती है । यह दिल्ली में अकेली चलने वाली गाड़ी है और उदयपुर से दिल्ली तक जितना समय लगता है उतना समय और किसी ट्रेन में नहीं लगता है और राजस्थान के लोगों की मांग है कि इस ट्रेन को एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में चलाया जाय । दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि इस ट्रेन को मरायरोहिता के बजाय अगर दिल्ली जक्शन से चलाया जाता तो दिल्ली की जनता को बहुत सुविधा होती ।

श्री मुहम्मद शफी कुरैशी :

मशकल ये है के हमारे पास टर्मिनल फेसिलिटीज मजदूर नहिन हिन और जोनही टर्मिनल फेसिलिटीज बूधे जल्लिगी टोन्ही गती की रफ्तार तीज कर दी जाऊँगी - जेसा के मीन ने बतलाया के कन जेकहून पर अस चैज की कसी है और जेसे ही टर्मिनल फेसिलिटीज

بڑا جائیگی تو اس وقت یہ سوچا جائیگا کہ اس گاڑی کو تیز چلایا جائے یا کسی دوسری گاڑی کو -

[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** अभी मुश्किल यह है कि हमारे पास टर्मिनल फैमिलिटीज मौजूद नहीं है और ज्यों ही टर्मिनल फैमिलिटीज बढ़ जायेगी त्यों ही गाड़ी की रफ्तार तेज कर दी जायेगी। जैसा कि मैंने बताया कि किन जगहों पर इस चीज की कमी है और जैसे ही टर्मिनल फैमिलिटीज बढ़ जायेगी तो उस वक्त यह सोचा जायेगा कि इस गाड़ी को तेज किया जाय या किसी और गाड़ी को।]

श्री गणेश लाल भाली इस ट्रेन में कुछ बोगीज रिजेक्टेड बोगीज लगाई जाती है। ट्रेन में जो श्री टायर स्लीपर कोच लगाई जाती है वो आम तौर से रिजेक्टेड बोगी लगाई जाती है। उसमें लोग कबूतरो की तरह भर कर जाते हैं—लोग आराम से पैर फैलाकर सो नहीं सकते अतः मेरा सुझाव है कि ट्रेन में 3 टायर के बजाय 2 टायर स्लीपर कोच लगाई जावे। क्या रेलवे मंत्री महोदय इस बारे में उचित कार्यवाही करेंगे?

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI Sir, this is a very good suggestion and I will examine it.

श्रीमती लक्ष्मी कुमारी चूडावत : क्या यह सही है कि जिस मकसद के लिये इस एक्सप्रेस ट्रेन को चलाया गया था उससे कोई मकसद पूरा नहीं हुआ है?

شہی محمد شفیع قریشی : مقصد ہو دورا ہو گیا ہے اور آدھا ابھی باقی ہے -

[**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : आधा मकसद तो पूरा हो गया है और आधा अभी बाकी है।]

*164 [The questioner (Shri Sitaram Kestri) was absent. For answer, vide cols 34-35 infra.]

*165 [The questioner (Shri Ram Sahai) was absent. For answer, vide cols. 35-36 infra.]

*166. (The questioner (Shri Babubhai M Chmai) was absent. For answer, vide cols 36 infra.)

IMPROVEMENT OF BRANCH LINES IN ORISSA

167 **SHRI LOKANATH MISRA** .†
SHRI CHANDRAMOULI
JAGARLAMUDI .
SHRI SUNDAR MANI PATEL :
SHRI K. C. PANDA .
SHRI BIRA KESARI DEO

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state .

(a) whether the Government of Orissa have submitted certain proposals to the Government of India for the improvement of branch railway lines between Naupada-Gunupur and Rupsa-Talband, and

(b) if so, Government's reaction thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD SHAFI QURLSHI) (a) Yes, Sir.

(b) Steps have been taken to improve the Railway track of Naupada-Gunupur line on a programmed basis. A traffic survey for the conversion of the Rupsa-Talband section into Broad Gauge has been carried out and the report is under the examination by the Railway Board.

SHRI LOKANATH MISRA Sir, may I know what the Survey Report says ? Does it say that this line would be economically viable and, Sir, if the Survey Report says that it is economically viable, why is the delay then ?

SHRI MOHD SHAFI QURESHI : Sir, the hon Member would agree with me that it would not be possible for me to give the details at this stage. When the Survey Report is under consideration, this aspect whether it is economically viable or not will also be considered finally. It will be considered when the consideration of the entire Report takes place.

MR CHAIRMAN : Yes, the next question.

*168 [The questioner (Shri B. V. Abdulla Koya) was absent. For answer, vide cols. 36 infra.]

*169. [The questioner (Shri K. Chandrashekharan) was absent. For answer, vide cols 36-38 infra.]

कानपुर में माल चढ़ाने-उतारने का ठेका

*170. **श्री मान सिंह वर्मा**

श्री ना०कु० शेजलकर .;

क्या रेल मंत्री कानपुर में माल उतारने चढ़ाने के ठेके के सम्बन्ध में 10 अप्रैल, 1972 को

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Lokanath Misra

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri N. K. Shejwalkar.